फ्लाईट द्वारा जगन्नाथपुरी गंगासागर, वाराणसी, नेपाल, पोखरा, प्रयागराज यात्रा

यात्रा प्रारम्भ: 08 अप्रैल 2025

यात्रा समय: 16 दिन

दिन	स्थान	दर्शनीय स्थल
पहला दिन	दिल्ली	दिल्ली से भुवनेश्वर शुभ प्रस्थान। (फ्लाइट द्वारा)
दूसरा दिन	कोणार्क	सुप्रसिद्ध सूर्य मन्दिर, महालिंगराज मन्दिर के दर्शन ।
दूसरा दिन	जगन्नाथपुरी	जगन्नाथ मन्दिर, सिंहद्वार, अश्वद्वार, सागर स्नान, साक्षीगोपाल। (3एसी रेल द्वारा कोलकाता के लिए प्रस्थान)
तीसरा दिन	कोलकाता	गंगा स्नान, काली देवी मन्दिर, हावड़ा ब्रिज, विक्टोरिया मेमोरियल। (रात्रि विश्राम कोलकाता)
चौथा दिन पांचवां दिन	गंगासागर	गंगा सागर महातीर्थ स्नान, कपिलदेव भगवान के दर्शन (रात्रि कोलकाता) (3 एसी रेल द्वारा जयनगर के लिए प्रस्थान)
छठा दिन	जनकपुर	राममन्दिर, सीता विवाह स्थल (रात्रि जनकपुर) (सातवां दिन रास्ते में व विश्राम काठमांडू)
आठवां दिन	काठमांडू	पशुपतिनाथ दर्शन, बागमति गंगा, स्वयंभू, बूढ़ा नीलकण्ठ दर्शन (रात्रि विश्राम काठमाण्डू)
नवां दिन	मनोकामना	मनोकामना मन्दिर रवाना एवं मनोकामना देवी दर्शन। (रात्रि पोखरा)
दसवा दिन	पोखरा	पोखरा भ्रमण, विंध्यवासिनी मन्दिर, गुप्तेश्वर पातालेश्वर महादेव, देवेशफाल (रात्रि विश्राम पोखरा) (ग्यारहवां दिन रास्ते में व विश्राम लुम्बिनी)
बारहवां दिन	लुम्बिनी	लुम्बिनी साईट सीन, भगवान बुद्ध की जन्म स्थली। (रात्रि विश्रम अयोध्या)
तेरहवां दिन	अयोध्या	सरयू स्नान, रामजन्म भूमि, हनुमानगढ़ी, कनक भवन, सीता रसोई, मनीराम छावनी। (रात्रि विश्रम प्रयागराज)
चौदहवां दिन	प्रयागराज	त्रिवेणी संगम स्नान, अक्षयवट, पुराना किला, हनुमान मन्दिर (विश्रम वाराणसी)
पंद्रहवां दिन	वाराणसी	प्रात: गंगास्नान व दोपहर 12 बजे होटल चेकआउट व भोजन करके, काशी विश्वनाथ ज्योर्तिलिंग, अन्नपूर्णा मन्दिर, तुलसी मानस मन्दिर दर्शन करते हुए रात्रि में 3 एसी रेल द्वारा दिल्ली के लिए प्रस्थान।
सोलहवां दिन	दिल्ली	प्रात: मधुर स्मृतियों के साथ यात्रा समापन।

<u>यात्रा किराया</u> :- भोजन, चाय, नाश्ता, हवाई जहाज (दिल्ली से भुवनेश्वर), A/C पुशबेक डीलक्स बस, A/C डबल बैड होटल रूम, 3 A/C रेल रिजर्वेशन द्वारा का किराया ₹44,001/- प्रति सवारी होगा। अग्रिम बुकिंग हेतु ₹5,000/- प्रति यात्री नगद अथवा ऑनलाइन 'श्री शिव शंकर तीर्थ यात्रा' ऋषिकेश के S.B.I बैंक खाते में जमा करवा दें। शेष धनराशि यात्रा से पूर्व ली जायेगी। नोट: मनोकामना रोप-वे का खर्चा स्वयं यात्री का होगा। कृपया फ्लाईट यात्रा के नियम पेज न0 23 को ध्यान पूर्वक पढ़ कर ही सीट बुक कराये।

फ्लाईट द्वारा यात्रा के नियम व सुविधाऐं

1. यात्रियों के लिए यात्राकाल में सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर व रात्रि भोजन में एक दाल, एक सब्जी, चावल, रोटी का पूरा प्रबन्ध होगा। शाम को चाय दी जायेगी। दाल-चावल, रोटी में देशी घी का प्रयोग होगा। सब्जी व नाश्ते में रिफान्इड तेल का प्रयोग होगा। समय की उपलब्धता के आधार पर यात्रियों को पापड़ व अचार भी भोजन के साथ दिया जायेगा। प्याज-लहसुन का प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा। भोजन शुद्ध शाकाहारी सात्विक बनाया जायेगा। यात्रा के दौरान तवा चपाती बनायी जायेगी व समय की उपलब्धता के अनुसार पूड़ी, पराठें व खिचड़ी भी बनायी जायेगी तथा यात्रा में समय अनुसार लंच पैकेट भी दिया जाएगा। रेल द्वारा लम्बी दूरी की यात्रा के दौरान भोजन की व्यवस्था I.R.C.T.C के अधिकृत भोजनालय से की जायेगी। <u>दोपहर एवं रात्रि भोजन के साथ एक-एक मिनरल वाटर की बोतल यात्रियों को दी जायेगी।</u>
2. रात्रि विश्राम के लिए होटल का प्रबन्ध समस्त यात्रियों के लिए डबल बैड के अटैच लैट-बाथरूम कमरों में किया जाएगा। A/C सुविधा केवल चलती बस में रहेगी पार्किंग में खड़ी बस में यह सुविधा नहीं होगी। यात्री अपने साथ असली फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड और वोटर आई. डी.) व 1 पासपोर्ट साईज फोटो अवश्य साथ लावे ।
3. फ्लाइट मे यात्रि अपने पावर बैंक को हैंड बैग में ही रखे । कैंची, नेल कटर, चाकू, नारियल आदि तरह का सामान फ्लाइट में ना लेकर जाये। यात्रा में फ्लाइट के नियम के अनुसार प्रत्येक यात्री अपने साथ 15 किलो तक का एक सूटकेस या बैग जोकि चेक इन बैगेज में और 7 किलो तक का एक बैग हैंड बैगेज में लेके जा सकते हैं। यात्रियों के प्लेन के बोर्डिंग पास प्लेन में बैठने के 12 घंटे पहले यात्री को व्हाट्सएप पर भेज दिया जाएगा। यात्री अपने प्लेन की टिकट पर दिए गए टर्मिनल पर फ्लाइट उड़ने के समय से 3 घंटा पूर्व डिपार्चर गेट के सामने संस्था के प्रतिनिधि से मिले।
4. <u>यात्रा बुक होने के बाद यात्री अपनी सीट कैंसिल करवाता है तो अग्रिम धनराशि वापिस नहीं की जायेगी। दर्शनीय स्थलों का प्रवेश शुल्क यात्रियों द्वारा वहन किया जायेगा।</u>

<u>यात्रियों को निम्नलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है।</u>

- यात्रा काल के दौरान आर्थिक, शारीरिक क्षति एवं यात्री के सामान की जिम्मेदारी यात्री की स्वयं की होगी। व्यवस्थापक यात्रियों के नुकसान का जिम्मेदार नहीं होगा। फ्लाइट और रेल के नियमों का पालन करें।
- यात्री को आवश्यकता पड़ने पर यात्री अपने खर्चे पर अस्पताल/डाक्टर की व्यवस्था अपनी सुविधानुसार कर सकते हैं। प्रत्येक यात्री टाईम टेबल के अनुसार चलने को बाध्य होंगे, यदि किसी कारणवश कोई ग्रुप से अलग होता है तो अगले स्टेशन/गन्तव्य पर यात्री अपने खर्चे पर पहुचेगें। सभी बसे दर्शनीय स्थलो की पार्किंग तक जाएगी वहा से मन्दिरों की दूरी नगण्य है इसलिए यात्री (स्वयं के खर्च से) पैदल अथवा रिक्शे से वहाँ जा सकते हैं। इस प्रकार यात्रियों को पैदल कम चलना पड़ेगा।
- यदि कोई यात्री किन्हीं कारणवश अथवा अस्वस्थ होने की वजह से अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर घर वापिस आना चाहेगा तो उस अवस्था में यात्री को व्यवस्थापक की तरफ से केवल घर तक पहुंचाने हेतु रेलवे का स्लीपर क्लास का टिकिट ही दिया जायेगा। यह व्यवस्था भी केवल यात्रा समाप्ति के 5 दिन पूर्व तक लागू होगी। किराया वापसी किसी भी अवस्था में देय नहीं होगा।
- यात्रा में फ्लाइट लेट होने / बस खराब होने/ मौसम खराब होने/साप्ताहिक अवकाश/ बन्द/ रैली आदि के कारण सें किसी स्थान पर दर्शन ना होने पर संस्था/ व्यवस्थापक द्वारा कार्यक्रम में जो भी बदलाव किया जायेगा, यात्रियों से निवेदन है कि परिस्थतियों को समझते हुए उसमें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें।
- यात्रा काल में मैनेजर यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा देने की कोशिश करेंगे परन्तु फिर भी यात्रा के दौरान थोड़ी असुविधा होना स्वाभाविक है। उस समय 'परदेश नरेश कलेशन' की कहावत के अनुसार तपस्या की भावना से उसे सहन करें व व्यवस्थापक को पूर्ण सहयोग प्रदान करें।